ब्रुसेलोसिस (संक्रामक गर्भपात)

यह जुगाली करने वाले पशुओं में जीवाणु जनित संक्रामक रोग है तथा यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

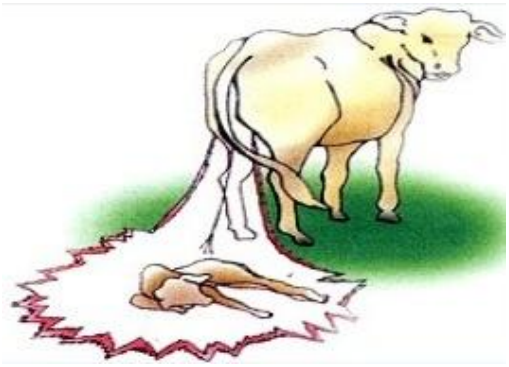

पशु में लक्षणः–

- गर्भपात एवं बांझपन
- जर/नाल का रूकना
- जननांगों में सूजन

संक्रमणः–

- जर या गर्भस्राव को चाटने से
- कृत्रिम गर्भधान द्वारा
- संक्रमित दूध से
- संक्रमित मांस के द्वारा

मनुष्यों में लक्षणः–

- रात में बुखार आना
- कमजोरी, शरीर तथा जोड़ों में दर्द
- जननांगों में संक्रमण

संक्रमणः–

- संक्रमित दूध को बिना उबाले पीने से
- संक्रमित जर, गर्भस्राव के संपर्क में आने से

पशुओं में रोकथामः–

- बझियों का टीकाकरण
- पशुओं की नियमित जाँच
- संक्रमित पशु को अलग रखना
- गर्भस्राव, जर, मूत्र, गर्भपात भ्रूण का समुचित निस्तारण
- नर पशुओं की भी समय–समय पर (हर 6 माह) में जाँच

मनुष्यों में रोकथामः–

- पाश्चुरीकृत या उबले दूध का सेवन
- बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना

पशुओं की जाँच हेतु सुविधा जनस्वास्थ्य विभाग
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में उपलब्ध है।

संपर्क हेतुः– डॉ. रणविजय सिंह, मो.नं. 940734982
डॉ. भावना गुप्ता, मो.नं. 7879260532

पशु जन स्वस्थ्य विभाग (VPH)
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

ब्रुसेलोसिस (संक्रामक गर्भपात)

यह जुगाली करने वाले पशुओं में जीवाणु जनित संक्रामक रोग है तथा यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

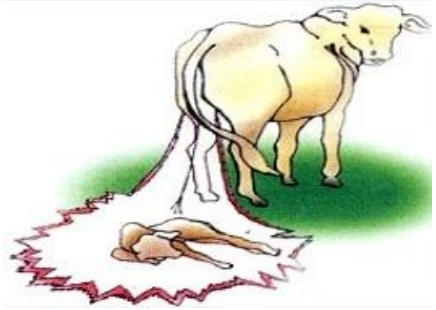

पशु में लक्षणः–

- गर्भपात एवं बांझपन
- जर/नाल का रूकना
- जननांगों में सूजन

संक्रमणः–

- जर या गर्भस्राव को चाटने से
- कृत्रिम गर्भधान द्वारा
- संक्रमित दूध से
- संक्रमित मांस के द्वारा

मनुष्यों में लक्षणः–

- रात में बुखार आना
- कमजोरी, शरीर तथा जोड़ों में दर्द
- जननांगों में संक्रमण

संक्रमणः–

- संक्रमित दूध को बिना उबाले पीने से
- संक्रमित जर, गर्भस्राव के संपर्क में आने से

पशुओं में रोकथामः–

- बझियों का टीकाकरण
- पशुओं की नियमित जाँच
- संक्रमित पशु को अलग रखना
- गर्भस्राव, जर, मूत्र, गर्भपात भ्रूण का समुचित निस्तारण
- नर पशुओं की भी समय–समय पर (हर 6 माह) में जाँच

मनुष्यों में रोकथामः–

- पाश्चुरीकृत या उबले दूध का सेवन
- बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना

पशुओं की जाँच हेतु सुविधा जनस्वास्थ्य विभाग
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में उपलब्ध है।
संपर्क हेतुः– डॉ. रणविजय सिंह, मो.नं. 940734982
डॉ. भावना गुप्ता, मो.नं. 7879260532

पशु जन स्वस्थ्य विभाग (VPH)
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

ब्रुसेलोसिस (संक्रामक गर्भपात)

यह जुगाली करने वाले पशुओं में जीवाणु जनित संक्रामक रोग है तथा यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

पशु में लक्षणः–

- गर्भपात एवं बांझपन
- जर/नाल का रूकना
- जननांगों में सूजन

संक्रमणः–

- जर या गर्भस्राव को चाटने से
- कृत्रिम गर्भधान द्वारा
- संक्रमित दूध से
- संक्रमित मांस के द्वारा

मनुष्यों में लक्षणः–

- रात में बुखार आना
- कमजोरी, शरीर तथा जोड़ों में दर्द
- जननांगों में संक्रमण

संक्रमणः–

- संक्रमित दूध को बिना उबाले पीने से
- संक्रमित जर, गर्भस्राव के संपर्क में आने से

पशुओं में रोकथामः–

- बझियों का टीकाकरण
- पशुओं की नियमित जाँच
- संक्रमित पशु को अलग रखना
- गर्भस्राव, जर, मूत्र, गर्भपात भ्रूण का समुचित निस्तारण
- नर पशुओं की भी समय–समय पर (हर 6 माह) में जाँच

मनुष्यों में रोकथामः–

- पाश्चुरीकृत या उबले दूध का सेवन
- बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना

पशुओं की जाँच हेतु सुविधा जनस्वास्थ्य विभाग
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में उपलब्ध है।
संपर्क हेतुः– डॉ. रणविजय सिंह, मो.नं. 940734982
डॉ. भावना गुप्ता, मो.नं. 7879260532

पशु जन स्वस्थ्य विभाग (VPH)
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)